एक परिचय

सहयोग

"सहयोग" 1994 से जेण्डर समानता, महिला हिंसा और महिला स्वास्थ्य के मुद्दे पर काम कर रही है। इन मुद्दों पर काम करते हुए यह अनुभव हुआ कि जेण्डर समानता लाने के लिए महिलाओं के साथ-साथ पुरूषों के साथ काम करना भी बहुत जरूरी है, जिसके चलते **सहयोग** ने 1998 से ही पुरूषों के साथ जेण्डर संवेदनशीलता पर काम करना शुरू किया। **सहयोग** जेण्डर समानता, महिला स्वास्थ्य, महिला हिंसा, मर्दानगी, यौनिकता, मानवाधिकार आदि मुद्दों पर एक संदर्भ केन्द्र के रूप में भी काम करता है।

सहयोग अपनी गुणवत्तापरक प्रशिक्षणों, दस्तावेजीकरण, शोध कार्य, सामग्री निर्माण, पैरोकारी तथा नेटवर्क निर्माण के कौशल से अपनी राष्ट्रीय पहचान रखता है। **सहयोग** मानवाधिकारगत ढाँचे में पैरोकारी, जेण्डर समानता, पुरुषों के साथ काम, महिला स्वास्थ्य प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकारों पर विशेषता रखती है।

एच.आई.वी./एड्स मुद्दे को मानवाधिकारगत नजरिये से देखते हुए उसे जेण्डर, मर्दानगी व पलायन के साथ जोड़कर देखने की कोशिश की गयी है। पुरुष पलायन का सीधा संबंध पुरुषों के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली व जिम्मेदारियों से जुड़ा मुद्दा है। इसलिए वर्तमान परिपेक्ष्य में यह जरूरी हो जाता है कि पलायन के पूर्व पुरुषों के ऊपर कमाने हेतु पड़ने वाले दबाव, पलायन के दौरान आने वाली सम्भांवित चुनौतियां, खतरें व फायदों आदि के बारे में पहले से मानसिक तैयारी कर ली जाये। सहयोग ने इन्ही बातों के आधार पर पुरुष पलायन व एच.आई.वी./एड्स के मुद्दे पर यूनिफेम के आर्थिक सहयोग से कुछ शैक्षणिक सामग्री यथा पोस्टर, स्टीकर, फ्लैश कार्ड (यारों के बीच की बातें), कहानी किताब (ख्वाब और हकीकत) का निर्माण किया।

United Nations Development Fund for Women
UNIFEM

SAHAYOG

ख्वाब और हकीकत

पलायन, जेण्डर व एच.आई.वी./ एड्स
के मुद्दों पर स्वाध्ययन किताब